टक्कररोधी कवच का कार्यान्वयन बहुत धीमी गति से चल रहा है। अब तक केवल 1,445 किलोमीटर दूरी तक की स्थापना की गई है। स्थापना की गति और तेज़ होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त ट्रेन दुर्घटना को रोकने और सक्रिय उपाय करने के लिए तकनीकी प्रगति के लिए निवेश की आवश्यकता है। आज हम बुलेट ट्रेन की बात करते हैं, लेकिन आज भी trains की हैडलाइट्स हैलोजन हैं। ट्रेन की हैडलाइट्स एलईडी होनी चाहिए। करीब 5 परसेंट तक एलईडी हुई हैं। हैलोजन लाइट में 20 मीटर दूर तक देख सकते हैं और एलईडी लाईट में 200 मीटर दूर तक देख सकते हैं, जिसके चलते हाथियों की जान को भी हम बचा सकते हैं, क्योंकि कॉरिडोर में आने से बहुत सारे हाथियों की जान भी चली जाती है। हम बड़े से बड़े एक्सीडेंट को होने से रोक सकते हैं। महोदय, ट्रेन 130 की स्पीड से चलती है, तो उसकी हैडलाइट का अपडेशन बहुत ज़रूरी है। कवच के लिए ज्यादा से ज्यादा काम किया जाए, स्टेशंस का मॉडिफिकेशन किया जाए। मैनहैंडलिंग की प्रॉब्लम होती है, कभी-कभी लोको पायलट्स को बहुत प्रॉब्लम होती है। मैंने स्वयं देखा है कि बिलासपुर-राउरकेला से साढ़े चार घंटे लगने का समय, जो कभी-कभी 8-9 घंटे लग जाता है, उसमें लोको पायलट बहुत थक जाता है, जिस कारण कभी-कभी सिगनल छूट जाता है और एक्सीडेंट होता है। महोदय, ट्रेन की पटरी की बार-बार जांच होनी चाहिए। मैं एक बात यह भी बोलूंगी की रेलवे सेफ्टी बोर्ड में एक experienced loco pilot का होना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि रेलवे सेफ्टी देखने वाले लोको पायलट अच्छे हों ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour Mention made by hon. Member, Shrimati Sulata Deo: Dr. John Brittas (Kerala), Shri A.A. Rahim (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Debashish Samantaray (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) and Dr. V. Sivadasan (Kerala).

श्री अमर पाल मौर्य, "Demand to conduct direct election of the Block Chief and District Panchayat President under the Panchayati Raj system."

Demand to conduct direct election of the Block Chief and District Panchayat President under the Panchayati Raj system

श्री अमर पाल मौर्य (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, पंचायती राज व्यवस्था में जिला पंचायत अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराए जाने के संदर्भ में चर्चा के लिए आपके समक्ष खड़ा हुआ हूं।

महोदय, 2 अक्टूबर, 1959 को पंचायती राज व्यवस्था नागौर, राजस्थान से लागू हुई थी। उपसभापति महोदय, इसके बाद इसमें कई प्रकार के स्थानीय सुधार और बदलाव किए गए। अशोक मेहता की समिति, 1978 द्वारा स्थानीय प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाने के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मज़बूत करने के लिए सुझाव दिया गया। महोदय, वित्तीय प्रशासनिक सुधार आयोग, 2005 ने जिला पंचायत अध्यक्ष का प्रत्यक्ष चुनाव कराने की सिफारिश

भी की। लोकतंत्र को ज़मीनी स्तर पर ले जाने के कई प्रकार के प्रयास किए गए। अभी इसमें और भी गुंजाइश की आवश्यकता है।

महोदय, देश में लगभग 787 जिले और लगभग 6,000 ब्लॉक्स हैं। जब जनता से सीधे इनका चुनाव कराया जाना संभव होगा, तब देश में उन परिवारों को राजनीति में आने का अवसर प्राप्त होगा, जिनका बैकग्राउंड कोई राजनीतिक परिवार से नहीं होगा। देश के यशस्वी प्रधान मंत्री जी ने 'एक देश, एक चुनाव' की तरफ कदम बढ़ा दिया है और आज देश उसकी तरफ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आह्वान भी किया है कि ऐसे एक लाख परिवारों के नौजवानों को, जिनकी किसी भी प्रकार की राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है, उनको राजनीति के माध्यम से आगे लाने का बीड़ा उठाया है। महोदय, मैं जिस उत्तर प्रदेश से आता हूं, वहां मैंने विपक्ष की समावादी पार्टी और बसपा की सरकारों को देखा है। जब भी जिला पंचायत और ब्लॉक प्रमुख के चुनाव होते थे, तब सदस्यों को उठाकर महीनों के लिए बंद कर दिया जाता था और धन, बल और बाहुबल का ज़ोर होता था। हमारी सरकार के आने के बाद इसमें सुधार हुआ। हम निवेदन करते हैं कि जिला पंचायत और ब्लॉक का व्यक्ति जब जनता से चुना जाएगा, तब उसकी जनता के प्रति जवाबदेही होगी। अगर वह सीधे ब्लॉक प्रमुख, बीडीसी सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों से चुना जाता है, तो उसकी जवाबदेही में 50 और 100 लोगों की इन्वॉल्वमेंट होती है। जब यह चुनाव सीधे जनता से कराया जाएगा, तो हजारों की संख्या में...एक जिले में 800, 900 ग्राम पंचायतें होती हैं। लगभग ब्लॉक में 50 से 60 ग्राम होते हैं। मैं आपके माध्यम से और इस सदन के माध्यम से आह्वान करता हूं कि ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव को सीधे जनता की जवाबदेही बनाने के लिए यह चुनाव सीधे जनता द्वारा कराया जाए। ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Members, Shri Amar Pal Maurya: Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Pradip Kumar Varma (Jharkhand), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Shrimati Maya Naroliya (Madhya Pradesh), Shri Madan Rathore (Rajasthan), Shri Mahendra Bhatt (Uttarakhand), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shri Mayankbhai Jaydevbhai Nayak (Gujarat), Shrimati Rekha Sharma (Haryana), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shrimati Mamata Mohanta (Odisha).

Shri K.R.N. Rajeshkumar — 'Request for expeditious approval and funding for upgrading NH-44 Stretch from Dharmapuri to Namakkal from four lane to six lane'.

Expeditious approval and funding for upgrading NH-44 Stretch from Dharmapuri to Namakkal from 4 lane to 6 lane

SHRI K.R.N. RAJESHKUMAR (Tamil Nadu): Hon. Deputy Chairman, Sir, I rise to bring the attention of this august House the urgent need to upgrade the NH-44